ISSN 2278-8808
An International Peer Reviewed
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL
FOR INTERDISCIPLINARY STUDIES

ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचियों का अध्ययन

श्रीमती रेखा राणा

रीडर, शिक्षा विभाग, मेरठ कॉलिज मेरठ

Abstract

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य मेरठ जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचियों का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इस हेतू कक्षा 10 के 60 विद्यार्थियों (30 छात्र एवं 30 छात्रायें) को सामान्य यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि द्वारा चुना गया। प्रदत्तों के संग्रह हेतू डा0 एस पी कुलश्रेष्ठ द्वारा विकसित 'व्यावसायिक रूचि प्रपत्र' का प्रयोग किया गया। प्रदत्तों का विश्लेषण 'मध्यमान', 'मानक विचलन' एवं 'टी' अनुपात द्वारा किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि मात्र तीन क्षेत्रों (वैज्ञानिक, शासन सम्बन्धी एवं कलात्मक) व्यवसायों से सम्बन्धित रूचियों में छात्र एवं छात्राओं में अन्तर है।

मुख्य शब्द : ग्रामीण क्षेत्र, माध्यमिक स्तर, व्यावसायिक रूचियाँ

प्रस्तावना

शिक्षा मनुष्य की आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृति उन्नति का आधार है। शिक्षा द्वारा मानव को स्वंय में छिपी शक्तियों को पहचानने की शक्ति प्राप्त होती है तथा नित नवीन ज्ञान का विस्तार करने की क्षमता विकसित होती है। प्राचीन समय में समाज में पारिवारिक व्यवसायों को अपनाने पर ही बल दिया जाता था तथा परन्तु वर्तमान समय में शिक्षा प्रक्रिया में मानव जीवन के विभिन्न पक्षों जैसे व्यक्तिगत विभिन्नताओं, बुद्वि, अभियोग्यता, अभिवृत्ति, व्यक्तित्व एवं रूचियों को भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हुआ है। जिसके कारण स्वंय की रूचियों को ध्यान में रखते हुए व्यवसाय चुनने की प्रवृत्ति बढ़ी है।

शिक्षा के अनेक उद्देश्यों जैसे – शारीरिक, मानसिक, भावात्मकता आर्थिक एवं सामाजिक विकास के साथ–साथ व्यावसायिक कुशलता का विकास करना भी है। वर्तमान में शिक्षा के पाठ्यक्रम का निर्माण करते समय व्यवसायिक दक्षता को प्रमुख स्थान दिया जाता है। स्वंय की रूचियों को पहचानकर, सम्बन्धित पाठ्यक्रम की शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। ''विद्यार्थियों को जीविकोपार्जन में सहायता देना शिक्षा के अनेक कार्यो में से एक महत्वपूर्ण कार्य है।'' डा0 राधाकृष्णन। गाँधी जी की कई तालीम एक

सुस्पष्ट उदाहरण है कि स्वंय की रूचियों पर आधारित व्यवसाय को चुनकर व्यावसायिक दक्षता प्राप्त की जा सकती है।

वर्तमान में व्यावसायिक, तकनीकी एवं औद्योगिक शिक्षा जैसी शब्दावली का प्रयोग देखने में आता है। क्योंकि शिक्षा को व्यवसाय से सम्बन्धित किया जा रहा है। परन्तु भारत में व्यावसायिक शिक्षा को प्रारम्भ हुये लगभग डेढ़ शताब्दी बीत गई है, जब सन् 1826 में मुम्बई में इंजीनियरिंग व चिकित्सा शिक्षा का प्रारम्भ हुआ था। आज देश में विभिन्न व्यवसायों की शिक्षा दी जा रही है। विद्यार्थियों को वर्तमान में अपेक्षाकृत अत्यधिक विकल्प उपलब्ध हो रहें हैं एवं विकल्पों की उपलब्धता के साथ–साथ विद्यार्थियों के समक्ष व्यवसाय–चयन की समस्या का सामना करना पड़ता है। प्रायः विद्यार्थी अधिकाधिक कारणों से अरूचिकर व्यवसाय का चयन कर लेते हैं। जिसका परिणाम असफलता एवं असन्तुष्टि के रूप में दिखाई देता है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि किसी भी व्यवसाय को चुनने से पहले उसमे रूचि की पहचान की जाये। ताकि संसाधनों को व्यर्थ जाने से रोका जा सके।

रूचि के अनुसार व्यवसाय चुनने के लिये रूचियों की पहचान करना अत्यावश्यक है। माध्यमिक स्तर पर बालकों की रूचियों पर उनकी बुद्वि, पारिवारिक वातावरण, जागरूकता, सहपाठियों का प्रभाव एवं सामाजिक स्थिति का प्रभाव पड़ता है। इस अवस्था में रूचियों की प्राथमिकता में परिवर्तन होते रहते हैं। अधिकाधिक उपलब्ध व्यवसायों से उपयुक्त का चुनाव करने के लिये व्यक्ति की अभिक्षमताओं, आवश्यकताओं एवं रूचियों का ज्ञान होना आवश्यक है। वर्तमान में सभी को समान अवसरों की उपलब्धता के कारण बालक एवं बालिकाओं की व्यावसायिक रूचियों की सूचना प्राप्त करना आवश्यक प्रतीत होता है। व्यावसायिक रूचि एकमात्र विकल्प नहीं होता वरन् अनेक रूचियों का योग होता है जिसके ऊपर व्यावसायिक वृत्ति निर्भर करती है। स्ट्रॉंग (1954).

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्न प्रकार से हैं

1. ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की व्यावसायिक रूचियों का अध्ययन करना।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की व्यावसायिक रूचियों का अध्ययन करना।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की व्यावसायिक रूचियों का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना

1. ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की व्यावसायिक रूचियों कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

तालिका – 1

ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की व्यावसायिक रूचियों का प्रदर्शन

व्यावसायिक रूचि क्षेत्र	छात्रों की संख्या	छात्रों का प्रतिशत
साहित्यिक	0	0%
वैज्ञानिक	12	40%
शासन सम्बन्धी	10	33.33%
व्यावसायिक	0	0%
रचनात्मक	0	0%
कलात्मक	2	6.66%
कृषि सम्बन्धी	3	10%
प्रत्ययकारी	3	10%
समाजिक	7	23.33%
गृह सम्बन्धी	2	6.66%

नोट – कुल छात्र –30

तालिका – 2

ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की व्यावसायिक रूचियों का प्रदर्शन

व्यावसायिक रूचि क्षेत्र	छात्राओं की संख्या	छात्राओं का प्रतिशत
साहित्यिक	5	16.66%
वैज्ञानिक	4	13.33%
शासन सम्बन्धी	8	26.66%
व्यावसायिक	2	6.66%
रचनात्मक	11	36.66%
कलात्मक	2	6.66%
कृषि सम्बन्धी	2	6.66%
प्रत्ययकारी	7	23.33%
समाजिक	6	20%
गृह सम्बन्धी	6	20%

नोट – कुल छात्राएं –30

तालिका – 3

ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में प्राप्ताकों के मध्यमान का प्रदर्शन

व्यावसायिक रूचि क्षेत्र	छात्राओं का मध्यमान	छात्रों का मध्यमान
साहित्यिक	7.7	7.36
वैज्ञानिक	8.73	11.36
शासन सम्बन्धी	10.01	11.46
व्यावसायिक	7.06	8.3
रचनात्मक	6	5.96
कलात्मक	9.7	8.7
कृषि सम्बन्धी	6.4	7.83
प्रत्ययकारी	9.6	9.93
समाजिक	9.7	11.4
गृह सम्बन्धी	9.1	8.5

नोट – 1. कुल छात्र –30

2. कुल छात्राएँ –30

तालिका – 4

ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं व्यावसायिक रूचियों का तुलनात्मक प्रदर्शन

व्यावसायिक रूचि क्षेत्र	गणना से प्राप्त टी मान
साहित्यिक	32
वैज्ञानिक	3.48 **
शासन सम्बन्धी	4.73 **
व्यावसायिक	1.37
रचनात्मक	.26
कलात्मक	3.85 **
कृषि सम्बन्धी	1.97
प्रत्ययकारी	.35
समाजिक	2.11 *
गृह सम्बन्धी	1.59

** विश्वास स्तर 0.01 पर सार्थक

* विश्वास स्तर 0.05 सार्थक

शोध निष्कर्ष –

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की व्यावसायिक रूचियों का अध्ययन करने पर पाया गया कि सर्वाधिक छात्राओं ने रचनात्मक क्षेत्र के व्यवसायों को औसत से अधिक पसन्द किया, इसके बाद छात्राओं द्वारा शासन सम्बन्धी व्यवसायों को पसन्द किया गया।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की व्यावसायिक रूचियों का अध्ययन करने पर पाया गया कि सबसे अधिक छात्रों ने वैज्ञानिक क्षेत्र को औसत से अधिक पसन्द किया इसके बाद शासन सम्बन्धी व्यावसायिक क्षेत्र को औसत के ऊपर पसन्द किया गया सामाजिक क्षेत्र में भी छात्रों की रूचि प्रदर्शित हुई।

छात्र एवं छात्राओं की व्यावसायिक रूचियों का तुलनात्मक अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि केवल तीन क्षेत्रों (वैज्ञानिक, शासन सम्बन्धी एवं कलात्मक) के व्यवसायों को पसन्द करने या ना करने के सम्बन्ध छात्र एवं छात्राओं की रूचियों में अन्तर पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

कुलश्रेष्ठ, एस.पी., ''मैनूअल आफ वोकेशनल इन्टेरेस्ट रिकार्ड'' नेशनल साइक्लोजिकल कारपोरेशन, आगरा, 2011

कौर, जी. (2006) वोकेशनल इन्ट्रेस्ट इन एडोलसेन्ट्स इन रिलेशन टू देयर स्टडी हेबिट्स. एम. एड डिसर्टेशन, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंढीगढ़

शर्मा, पी. & कुमार, एम. (2007) ए स्टडी आफ वोकेशनल इन्टेरेस्ट आफ रूरल एंड अरबन स्टूडेन्ट्स. इंडियन जरनल ऑफ साइकोमीट्री एंड एजूकेशन, 38 (2), 159–161.

स्ट्रांग, इ.के., जे.आर. ''वोकेशनल इन्टेरेस्ट आफ मेन एंड वूमेन'' स्टेनफोर्ड, कैलिफः स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1943

यादव, आर के एंड यादव, ए (2011) '' ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ एडजस्टमेंट एंड वैल्यूज ऑफ बी. एड, आर्टस एंड साइंस स्टूडेन्टस ऑफ रिवाड़ी डिस्ट्रिक्ट'' एजूकेशनल एंड साइक्लॉजीकल रिसर्च, वौल्यूम।